U.P. State Biodiversity Board, Lucknow

A Brief Report on IBD-2016

22 MAY 2016
INTERNATIONAL DAY
FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
Mainstreaming Biodiversity;
Sustaining People and their Livelihoods

Chief Guest Sri. Durga Prasad Yadav, Dr. S. P. Yadav, Sri. Sanjiv Saran, Sri. Umendra Sharma, Dr. Rupak De, Sri Pawan Kumar, and Sri Amit Gupta, on the Dais

U.P. State Biodiversity Board, Lucknow in collaboration with Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) celebrated the International Day for Biological Diversity (IBD-2016) on 22nd May, 2016 at Hotel Taj, Vipin Khand, Gomti Nagar, Lucknow.

On this occasion, a conference was organized on the theme ***"Mainstreaming Biodiversity; Sustaining People and their Livelihoods"*** and the sub theme of the conference was ***"Connect Initiative between Bio Resource Growers and Industries"***.

The conference was started with auspicious lighting of lamp by the Sri. Durga Prasad Yadav, Hon'ble Minister (Forests), Govt. of Uttar Pradesh, Dr. S. P. Yadav, Hon'ble State Minister, Govt. of Uttar Pradesh, Sri. Sanjiv Saran, Principal Secretary, (Forests & Environment), / Chairman, U.P. State Biodiversity Board, Sri. Umendra Sharma, PCCF, U.P. Forest Department, Dr. Rupak De, PCCF (Wild Life), Sri Pawan Kumar, Secretary, U.P. State Biodiversity Board and Sri Amit Gupta, Head - U.P. State Council, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) on the dais.

About **300 delegates** including various Industries/Manufacturers/Traders, Farmers, Scientists from Research Organizations/institutes, Universities, Officers from U.P. Forest Department and NGOs etc participated enthusiastically. The details of the events are as follows:

Date: 22 May, 2016

Venue: Vivanta Auditorium, Taj Residency, Gomtinagar, Lucknow

Chief Guest:

Sri. Durga Prasad Yadav, Hon'ble Minister (Forests), Govt. of Uttar Pradesh

Special Guest:

Dr. S. P. Yadav, Hon'ble Minister of State, Govt. of Uttar Pradesh

Important Dignitaries:

Sri. Sanjiv Saran, Principal Secretary (Forests)/Chairman, U.P. State Biodiversity Board, Lucknow

Sri. Umendra Sharma, PCCF, U.P. Forest Department

Dr. Rupak De, PCCF (Wild Life), Forest Department, U.P.

Sri Pawan Kumar, Secretary, U.P. State Biodiversity Board

The deliberations in the conference revolved around the following points:

1- Why Biodiversity Important?
2- Major threats to Biodiversity;
3- Global AICHI Targets;
4- Sustainable Development Goals;
5- Mainstreaming Biodiversity;
6- Economic potential of Biodiversity;
7- Access and Benefit Sharing;
8- Sustainably Managed Forests;
9- Biodiversity Loss & Measures to halt it;
10- Strategic Plan for Biodiversity 2011-2020

There were following two technical sessions:

Technical Session I - Chaired by: Sri. Pawan Kumar, Secretary, UPSBB

Speaker I - Prof. M. Padmavathy, School of Law, IIT-Kharagpur

Speaker II – Sri. N. V. Brindavanam, Advisor, Dabur Research Foundation

Speaker III – Dr. Vijendra Prasad, Himalaya Drug Company, Bangalore

Technical Session II – Chaired by: Sri. Pawan Kumar, Secretary, UPSBB

Speaker IV – Dr. M. K. Ramesh, National Law School of India, Bangalore

Speaker V – Dr. V. N. Srivastav, Centre for organisation development, Hyderabad

Speaker VI – Ms. Jyotsna Kaur Habibullah, Founder, Awadh Mango Growers Association, Lucknow

The conference ended by vote of thanks by Sri. Pawan Kumar, Secretary, U P State Biodiversity Board, Lucknow.

Glimpses on the occasion of International Day for Biological Diversity-2016

View of Dais

Lighting of Lamp by the Dignitaries at Dais

A General View of Audience and Dais

Glimpse of Exhibition Gallery

View of Audience

Invitation Card

United Nations Decade on Biodiversity

आयोजक:

FICCI

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
U.P. STATE BIODIVERSITY BOARD

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस

22 मई, 2016

राष्ट्रीय संगोष्ठी

Mainstreaming Biodiversity; Sustaining people and their livelihoods

जैवविविधता को मुख्य धारा में लाना; जन एवं उनकी जीविका की चिरन्तरता

Connect Initiative between Bio Resource Growers and Trader/Manufactures

जैवविविधता उत्पादक एवं व्यापारियों/मैनुफैक्चरर्स को जोड़ने की पहल

कार्यक्रम

22 मई, 2016 रविवार

उद्घाटन सत्र - पूर्वान्ह 10.00 से 11.45

09.00-10.00	पंजीकरण	
10.00-10.05	मा० मुख्य अतिथि / विशिष्ट अतिथि का स्वागत	
10.05-10.10	स्वागत भाषण	**प्रमुख वन संरक्षक**, उ०प्र० लखनऊ
10.10-10.15	दीप प्रज्जवलन द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन	
10.15-10.25	संगोष्ठी का उद्देश्य	**सचिव**, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड
10.25-10.30	उद्बोधन	**प्रमुख सचिव**, वन एवं पर्यावरण / **अध्यक्ष**, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड
10.30-10.45	उद्बोधन	**श्री तेज नारायण पाण्डेय 'पवन पाण्डेय'**, मा० राज्य मंत्री वन, उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि
10.45-11.00	उद्बोधन	**डॉ० एस० पी० यादव**, मा० राज्य मंत्री जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि
11.00-11.20	उद्बोधन	**श्री दुर्गा प्रसाद यादव**, मा० वन मंत्री, उत्तर प्रदेश, मुख्य अतिथि
11.20-11.25	स्मृति चिन्ह भेंट किया जाना	
11.25-11.30	**धन्यवाद ज्ञापन**	**अध्यक्ष**, फिक्की, उ०प्र० स्टेट कांउसिल
11.30-11.45	**अल्पाहार**	

प्रथम सत्र - अपरान्ह 11.45 से 02.00

11.45-01.15	व्याख्यान	**डॉ० एम० पद्मावती**, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ लॉ, आई०आई०टी०, खड़गपुर
01.15-01.45	व्याख्यान	**श्री एन०वी० बृंदावनम्**, एडवाइजर, डाबर रिसर्च एण्ड डेवलेपमेन्ट सेन्टर, गाजियाबाद
01.45-02.00	व्याख्यान	**डॉ० विजेन्द्र**, दि हिमालयन ड्रग्स कम्पनी, मकाली, बैंग्लोर, कर्नाटक
02.00-02.30	भोजनावकाश	

द्वितीय सत्र - अपरान्ह 02.30 से 04.30

02.30-03.15	व्याख्यान	**डॉ० एम० के० रमेश**, प्रोफेसर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बैंग्लोर
03.15-04.00	व्याख्यान	**डा० वी०एन० श्रीवास्तव**, कोर फैक्लटी, सेन्टर फॉर आर्गेनाइजेशन डेवलेपमेन्ट, हैदराबाद
04.00-04.30	व्याख्यान	**Ms. ज्योत्सना कौर हबीबुल्लाह** फाउण्डर, मैंगो फेस्टीवल लखनऊ
04.30	समापन	

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस-2016

के अवसर पर

जैवविविधता को मुख्य धारा में लाना; जन एवं उनकी जीविका की चिरन्तरता एवं जैवविविधता उत्पादक एवं व्यापारियों/ मैनुफैक्चरर्स को जोड़ने की पहल

विषय पर आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुख्य अतिथि :

श्री दुर्गा प्रसाद यादव
मा० वन मंत्री,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

दिनांक : 22 मई, 2016, समय : पूर्वान्ह 9.00 बजे

स्थल: ''होटल ताज'', विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

इस संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं।

संजीव सरन
अध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
प्रमुख सचिव,
वन एवं पर्यावरण, उ०प्र० शासन

Media Clippings

1- Hindustan Times: 22nd May, 2016

SUNDAY HINDUSTAN TIMES,LUCKNOW
MAY 22, 2016

जैवविविधता का संरक्षण पर्यावरण संतुलित

श्री अखिलेश यादव, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि दिनांक 22 मई, 2016 को **'अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस'** के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

जीवन को बनाए व बचाए रखने में जैवविविधता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे सुरक्षित रखने के लिए जनसामान्य को जागरुक कर जैवविविधता संरक्षण के प्रति समझ विकसित किया जाना आवश्यक है। समृद्ध जैवविविधता हमारे स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक विकास, वैज्ञानिक व तकनीकी विकास, आजीविका सुरक्षा और मौसम चक्र को सामान्य बनाए रखने में सहायक है। इसके दृष्टिगत अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस, 2016 की विषय-वस्तु **'जैवविविधता की मुख्य धारा के सन्दर्भ में मानव और उसकी आजीविका' ("Mainstreaming Biodiversity, Sustaining People and their Livelihoods")** अत्यन्त प्रासंगिक है।

प्रदेश सरकार जैवविविधता को संरक्षित व संवर्धित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इटावा में लायन सफारी एवं बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र का विकास, शेखा झील पक्षी विहार, अलीगढ़, पीलीभीत वन्य जीव विहार व पीलीभीत टाइगर रिजर्व की स्थापना जैसे कदम राज्य सरकार द्वारा उठाए गये हैं। साथ ही, पक्षियों, कीट-पतंगों सहित समस्त वन्य प्राणियों का प्राकृतवास विकसित करने हेतु वृहद स्तर पर वृक्षारोपण भी किया गया है।

इसके अलावा, एक ही दिन में 10 स्थलों पर 10.5 लाख से अधिक पौध वितरित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम अंकित करने, एक दिन में सर्वाधिक लोगों द्वारा पक्षियों का अवलोकन कर लिम्का बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सम्मिलित होने एवं **'विश्व गौरैया दिवस'** के अवसर पर नेस्ट बॉक्स वितरण व साइकिल रैली का आयोजन जैसे अभिनव प्रयास किये गये हैं। मुझे प्रसन्नता है कि प्रदेश सरकार के प्रयासों का परिणाम वनावरण व वृक्षारोपण में 261 वर्ग किमी. की वृद्धि के साथ-साथ राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन व राज्य पक्षी सारस की संख्या में बढ़ोत्तरी के रुप में प्राप्त हुआ है।

'अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस
22 मई, 2016
वन एवं वन्यजीव विभाग, उत्तर प्रदेश

अखिलेश यादव
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

बन रहा है आज, सँवर रहा है कल twitter.com/cmofficeup facebook.com/cmouttarpradesh youtube.com/user/upgovtofficial upnews36

2- Canviz Times: 23rd May, 2016

सोमवार, 23 मई 2016 3
कैनविज टाइम्स www.kanwhizztimes.com

जन्तुओं की सुरक्षा के लिए बनेगी अलग फोर्स

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

- वन्य जीवों की प्रजाति में वृद्धि के लिए सकारात्मक रुख की जरूरतः एसपीएस यादव

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। गत वर्ष प्रदेश में पौधरोपण में 261 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई है। इसी के साथ प्रदेश सर्वाधिक वनावरण वृद्धि वाले 5 राज्यों में शामिल हुआ। वृक्षों के अवैध पातन एवं वन्य जीवों के शिकार में लिप्त तत्वों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। वन एवं जीव जन्तुओं की सुरक्षा के लिए अलग से सुरक्षा फोर्स तैयार करने की आवश्यकता है। प्रदेश में जहां-जहां पक्षी विहार हैं, उनकी सुरक्षा व्यवस्था और पुख्ता की जाए।

यह बात मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव ने रविवार को कही। वह अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित 'जैव विविधता को मुख्य धारा में लाना, जन एवं उनकी जीविका की निरन्तरता एवं जैवविविधता उत्पादक एवं व्यापारियों /मैन्यूफैक्चर्स को जोड़ने की पहल' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। वन मंत्री दुर्गा प्रसाद ने कहा कि कार्यक्रम से प्रदेशवासियों में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। इस मौके पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री डा. एसपीएस यादव ने कहा कि जीव जन्तुओं की प्रजातियों को बढ़ाने हेतु सकारात्मक कार्ययोजना के तहत कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति कटिबद्ध है। इटावा में बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र की स्थापना कराई जा रही है। पक्षियों के वास के लिए वेटलैंड विकसित किए जा रहे हैं। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में वन एवं वन्यजीव विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उमेन्द्र, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डा. रूपक डे, प्रबन्ध निदेशक उप्र वन निगम इकबाल सिंह, प्रमुख वन संरक्षक अनुश्रवण एवं कार्य योजना एसके शर्मा, मुख्य परियोजना निदेशक एसके उपाध्याय भी उपस्थित रहे।

रविवार को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल मंत्री एसपीएस यादव, मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव व अन्य। कैनविज टाइम्स

'नागोया प्रोटोकाल पर 75 देश सहमत'

प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण तथा अध्यक्ष उप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड संजीव सरन ने कहा कि वर्ष 2010 में हुए नागोया प्रोटोकॉल पर 75 देश हस्ताक्षर कर चुके हैं। इससे स्पष्ट है कि सम्पूर्ण विश्व जैवविविधता संरक्षण की आवश्यकता स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार बर्ड फेस्टिवल , सारस संरक्षण पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी व अन्तर्राष्ट्रीय क्रेन फाउण्डेशन के साथ समझौता, जैवविविधता समितियों से ग्राम स्तर पर जन जैव विविधता रजिस्टर तैयार किए जाने जैसी तमाम योजनाएं अमल में आई हैं।

3- Spast Aawaz: 23rd May, 2016

2 स्पष्ट आवाज़ सोमवार, 23 मई 2016 राजधानी

जैवविविधता पर संगोष्ठी सम्पन्न

लखनऊ। प्रदेश सरकार वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण एवं जैवविविधता को संरक्षित व सवंर्धित करने के प्रति काफी संवेदनशील है। प्रदेश सरकार ने वन एवं वन्यजीव के संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य किए गए हैं। इस कारण गत वर्ष प्रदेश में वनावरण व वृक्षावरण में 261 वर्ग कि.मी. की वृद्धि हुई है तथा प्रदेश सर्वाधिक वनावरण वृद्धि वाले 5 राज्यों में शामिल हुआ। यह बात वन एवं वन्यजीव मंत्री श्री दुर्गा प्रसाद यादव ने कही। वह अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा 'जैवविविधता को मुख्य धारा में लाना, जन एवं उनकी जीविका की निरन्तरता एवं जैवविविधता उत्पादक एवं व्यापारियों /मैन्यूफैक्चर्स को जोड़ने की पहल' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

गोमतीनगर स्थित एक होटल में आयोजित संगोष्ठी के शुभारम्भ बाद मुख्य अतिथि वन एवं वन्यजीव मंत्री श्री यादव ने कहा कि वृक्षों के अवैध पातन एवं वन्य जीवों के शिकार में लिप्त अवांछित तत्वों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। वन एवं जीव जन्तुओं की सुरक्षा के लिए अलग से सुरक्षा फोर्स तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां-जहां पक्षी विहार हैं, उनकी सुरक्षा व्यवस्था और पुख्ता की जाए।

वन मंत्री ने कहा कि यह विभाग जनमानस के जीवन से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस विभाग की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के आयोजन से जनता में सकारात्मक संदेश जायेगा। साथ ही प्रदेशवासियों में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूता बढ़ेगी। वनों को बाढ से बचाने के लिए छोटी नदियों की खुदाई करनी होगी, जिससे बाढ़ पर नियत्रण पाया जा सके। उन्होंने कहा कि जीव जन्तुओं की प्रजातियों को बढने हेतु सकारात्मक कार्ययोजना के तहत कार्य किया जाए। श्री यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसमें देश एवं विदेश के कई पक्षी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके अलावा सारस पक्षी के संरक्षण हेतु व्यापक स्तर पर सारस संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते जन्तु उद्यान मंत्री दुर्गा प्रसाद

प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने से जैवविविधता पर दुष्प्रभावः जन्तु उद्यान राज्यमंत्री

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जन्तु उद्यान राज्यमंत्री, डॉ शिव प्रताप यादव ने कहा कि वन क्षेत्रों में अग्नि दुर्घटना घटित होने एवं प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने से जैवविविधता दुष्प्रभावित होती है। साथ ही वन उत्पाद में कमी व वनों के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय समुदाय की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु बोरिंग ,तालाबों का निर्माण व उन्हें अतिक्रमण मुक्त तथा नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में प्रयासरत है, जिसकी प्रशंसा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है।

डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति कटिबद्ध है। सरकार द्वारा इटावा में बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र की स्थापना कराई जा रही है। पक्षियों के वास के लिए वेटलैंड विकसित किए जा रहे हैं। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव के अवसर पर प्रदेश में 6 करोड़ पौधे रोपित करने की योजना को मूर्तरूप देने के लिए विभाग सतत् प्रयासरत है। हरित पट्टियों का विकास, एक दिन में 10.5 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर प्रदेश सरकार ने विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है।

प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण तथा अध्यक्ष उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री संजीव सरन ने कहा कि वर्ष 2010 में हुए नागोया प्रोटोकॉल पर 75 देश हस्ताक्षर कर चुके हैं, इससे स्पष्ट है कि सम्पूर्ण विश्व जैवविविधता संरक्षण की आवश्यकता स्वीकार कर रहा है। उन्होंने प्रदेश की जलवायु व भौगोलिक विविधता के परिणाम स्वरूप प्रदेश में पाई जाने वाली पक्षियों, तितलियों, मछलियों की प्रजातियों सहित प्रदेश की जैवविविधता को संरक्षित व सवंर्धित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

4- Pioneer (Hindi): 23rd May, 2016

पायनियर
लखनऊ, सोमवार 23 मई, 2016

जैव विविधता पर वन विभाग ने आयोजित की संगोष्ठी

जीव-जन्तुओं की प्रजातियों को बढ़ाने के लिए किया जाए कार्यः एसपी यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था जैवविविधता को मुख्य धारा में लाना, जन एवं उनकी जीविका की निरन्तरता एवं जैवविविधता उत्पादक एवं व्यापारियों को जोड़ने की पहल जिस पर वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे।

वन मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव ने कहा कि प्रदेश में वनावरण व वृक्षावरण में 261 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है तथा प्रदेश सर्वाधिक वनावरण वृद्धि वाले 5 राज्यों में शामिल हुआ है। प्रदेश सरकार वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण एवं जैवविविधता को संरक्षित व सर्वर्धित करने के प्रति काफी संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि वृक्षों के अवैध पातन एवं वन्य जीवों के शिकार में लिप्त अवांछित तत्वों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। वन एवं जीव जन्तुओं की सुरक्षा के लिए अलग से सुरक्षा फोर्स तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में जहां-जहां पक्षी विहार हैं उनकी सुरक्षा व्यवस्था और पुख्ता की जाए। वन मंत्री ने कहा कि यह विभाग जनमानस के जीवन से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस विभाग की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी के आयोजन से जनता में सकारात्मक संदेश जाएगा। साथ ही प्रदेशवासियों में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूता बढ़ेगी। वनों को बाढ़ से बचाने के लिए छोटी नदियों की खुदाई करनी होगी जिससे बाढ़ पर नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने कहा कि जीव जन्तुओं की प्रजातियों को बढ़ाने के लिए सकारात्मक कार्ययोजना के तहत कार्य किया जाए। मंत्री डा. शिव प्रताप यादव ने कहा कि कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन एवं पर्यटन क्षेत्रों से स्थानीय समुदाय को आजीविका प्राप्त करने में जैवविविधता की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में अग्नि दुर्घटना घटित होने एवं प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखने से

वन्यजीवों के संरक्षण व जैवविविधता को संरक्षित करने के लिए सरकार संवेदनशीलः दुर्गा प्रसाद यादव

जैवविविधता दुष्प्रभावित होती है। साथ ही वन उत्पाद में कमी व वनों के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय समुदाय की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जल स्त्रोंतों को पुनर्जीवित करने के लिए बोरिंग, तालाबों का निर्माण व उन्हें अतिक्रमण मुक्त तथा नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में प्रयासरत है। प्रमुख सचिव वन एवं पर्यावरण तथा अध्यक्ष उप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड संजीव सरन ने कहा कि वर्ष 2010 में हुए नागोया प्रोटोकॉल पर 75 देश हस्ताक्षर कर चुके हैं इससे स्पष्ट है कि सम्पूर्ण विश्व जैवविविधता संरक्षण की आवश्यकता स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रथम बार बर्ड फेस्टिवल का आयोजन, सारस संरक्षण पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी व अन्तर्राष्ट्रीय क्रेन फ उण्डेशन के साथ समझौता, जैवविविधता समितियों द्वारा ग्राम स्तर पर जन जैवविविधता रजिस्टर तैयार किए जाने जैसी तमाम योजनाएं शामिल है। संगोष्ठी में वन एवं वन्यजीव विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष उमेन्द्र, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक उप्र डॉ रूपक डे, प्रबन्ध निदेशक वन निगम इकबाल सिंह, प्रमुख वन संरक्षक, अनुश्रवण एवं कार्य योजना एसके शर्मा, मुख्य परियोजना निदेशक एसके उपाध्याय आदि ने भाग लिया।

... की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शर्मा... ...4036600 फैक्स: 2346443/2345582

5- Pioneer (English): 23rd May, 2016

the pioneer
LUCKNOW I MONDAY I MAY 23, 2016

Biodiversity can play a key role: Min

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

Minister for Forest Durga Prasad Yadav and Minister for Zoological Gardens SP Yadav inaugurated the national conference on bringing biodiversity in the mainstream at a city hotel on Sunday. It was organised by the State Biodiversity Board, Forest Department.

Speaking on the occasion, Durga Prasad Yadav said that due to the efforts and the vision of Chief Minister Akhilesh Yadav, the forest cover in the state had increased by 261 square kilometres.

"Uttar Pradesh is among the five states which have recorded an increase in the forest cover. Strict action will be taken against illegal felling and poaching of animals. The need of the hour is to have a Special Task Force for this purpose," he said. He said that in the coming days a total of six crore saplings would be planted. "These will include the planting of 5 crore saplings in one day which will include pakad, neem, mahua and jamun. The efforts made by the Forest Department for the conservation of forests should be given wide publicity so that the people from the state are made aware of these endeavours," he added.

Minister for Forest Durga Prasad Yadav lighting the lamp to inaugurate a national conference on biodiversity on Sunday Pioneer

SP Yadav, who was the special guest, said that the conference was extremely important in the light of the fact that biodiversity could play an important role in getting employment for the local communities in the field of agriculture, fisheries and tourism. He added that forest fires and the drying up of the local ponds adversely affected biodiversity.

Yadav said that the Forest Department was making several efforts which included the establishing of green belts in the state.

Principal Secretary, Forest, Sanjeev Saran threw light on the efforts being made by the Forest Department to conserve biodiversity. He said that an international conference was organised on sarus and an agreement signed with the International Crane Foundation and several biodiversity registers were being made at the district level.

Secretary, Forest, Pawan Kumar said that it was biodiversity which made the earth livable. He said that the climate changes and various factors which were impacting biodiversity were a growing cause of concern. He said that the primary aim of the conference was to bring about a coordination between biodiversity and development. He said that the conference was an effort to bring all the stakeholders together and discuss how there could be coordination in this regard.

All the important officials of the Forest department were present on the occasion.